भारत सरकार

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 570

बुधवार, दिनांक 23 जुलाई, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>कर्नाटक तट पर अपतटीय पवन ऊर्जा खोज</u>

570. श्री बी. वाई राघवेन्द्रः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या केंद्र सरकार ने गुजरात और तमिलनाडु राज्यों को अपतटीय पवन ऊर्जा विकास के लिए प्रारंभिक प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार कर्नाटक सहित भारतीय तटरेखा के अन्य भागों में भी अपतटीय पवन परियोजनाओं की संभावना तलाश रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने कर्नाटक तटरेखा, जो स्थिर पवन पैटर्न, उथले समुद्र तल और विद्युत अवसंरचना की निकटता जैसी अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करती है, पर अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता का आकलन किया है या करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या कर्नाटक तटरेखा पर अपतटीय पवन ऊर्जा क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए कोई प्रारंभिक पवन संसाधन मानचित्रण, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण या एलआईडीएआर संस्थापना प्रस्तावित की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार विभिन्न तटीय राज्यों में अपतटीय पवन ऊर्जा विकास में विविधता लाने की अपनी व्यापक रणनीति के एक भाग के रूप में तटरेखा पर व्यवहार्यता अध्ययन पायलट परियोजनाएं शुरू करने पर विचार कर रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (एनआईडब्ल्यूई) द्वारा विभिन्न बहुपक्षीय एजेंसियों के सहयोग से किए गए प्रारंभिक अध्ययनों के आधार पर, सरकार ने गुजरात और तमिलनाडु के तटों से दूर प्रत्येक राज्य के आठ क्षेत्रों को प्रारंभिक प्राथमिकता वाले अपतटीय पवन ऊर्जा क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया है। इन चिन्हित क्षेत्रों को दर्शाने वाले मानचित्र **अनुलग्नक-I** में संलग्न हैं।

(ख) से (घ): राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान ने कर्नाटक सहित संपूर्ण भारतीय तटरेखा पर तट से 200 समुद्री मील (एनएम) तक प्रारंभिक अपतटीय पवन संसाधन मानचित्रण किया है। मेसोस्केल आँकड़ों के अनुसार, कर्नाटक तट पर वार्षिक औसत पवन गति की सीमा 5-5.2 मीटर/सेकंड है, जिसे अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विकास हेतु कम गति माना जाता है। कर्नाटक तट पर पवन की कम गति के कारण, भूभौतिकीय सर्वेक्षण और लिडार (LiDAR) स्थापनाओं जैसे आगामी अध्ययन प्रस्तावित नहीं किए गए हैं।

(ङ) सरकार ने यूरोपीय संघ द्वारा सहायता प्राप्त भारत में अपतटीय पवन ऊर्जा सुगमता (FOWIND) कार्यक्रम के अंतर्गत गुजरात और तमिलनाडु में अपतटीय पवन फार्मों के विकास के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया है।

पायलट परियोजनाओं के लिए, 1000 मेगावाट की अपतटीय पवन परियोजनाओं (गुजरात और तमिलनाडु प्रत्येक के तट पर 500 मेगावाट) की स्थापना और चालू करने के लिए "अपतटीय पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) योजना" शुरू की गई है।

अनुलग्नक-I

दिनांक 23.07.2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 570 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक-I

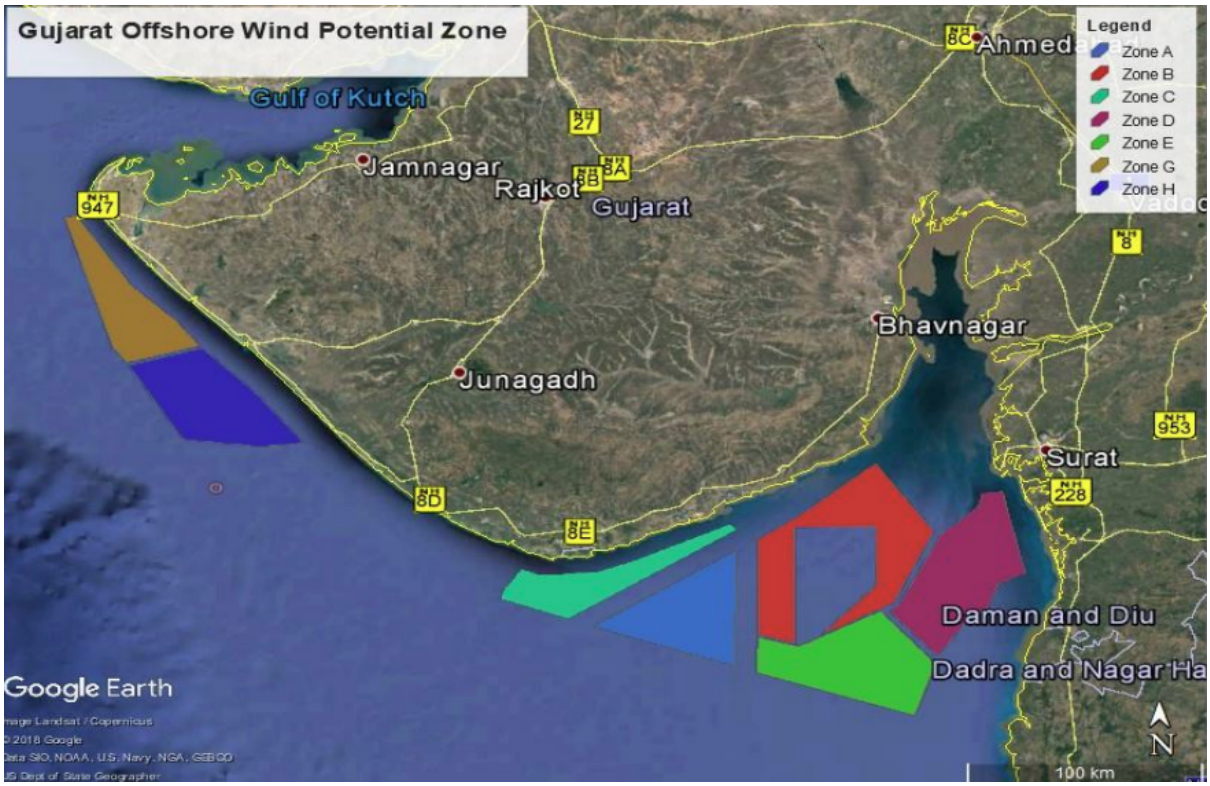

गुजरात तट से दूर चिन्हित अपतटीय पवन क्षेत्र

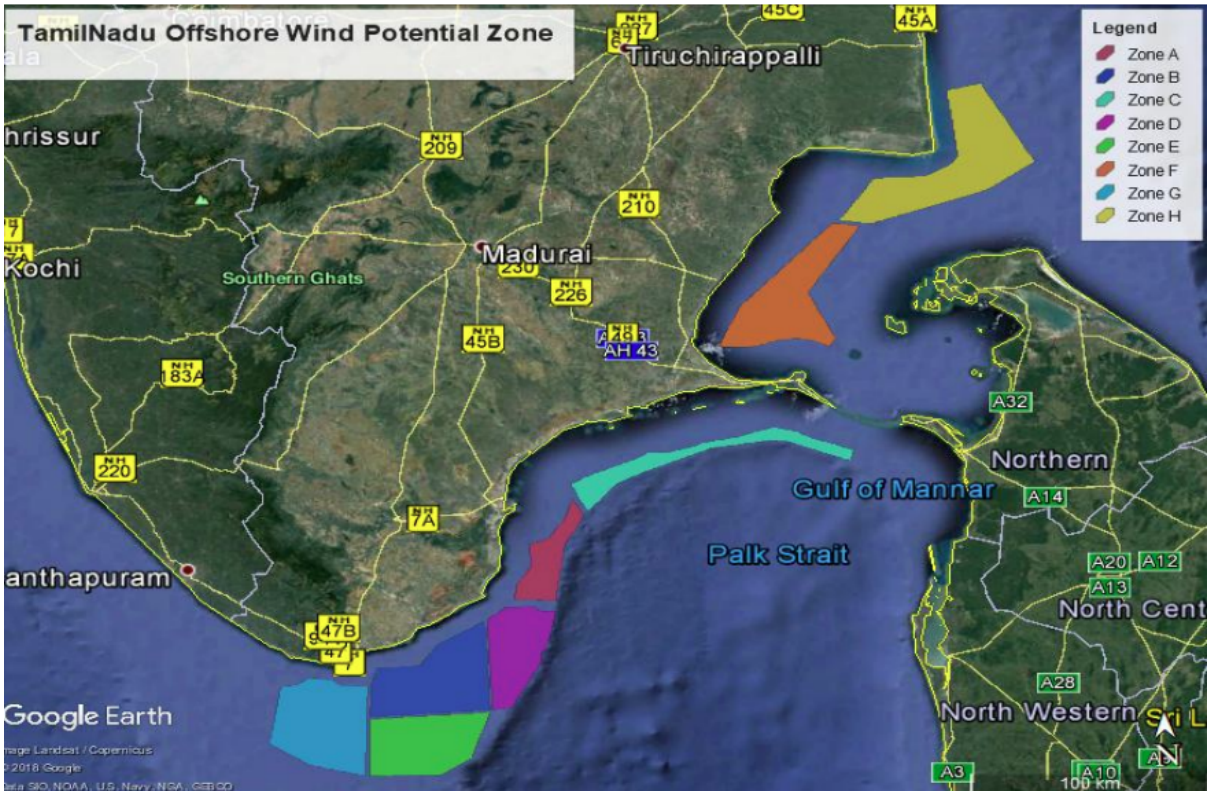

तमिलनाडु तट पर चिन्हित अपतटीय पवन क्षेत्र

*****